vinetur

ईयू नियमों के तहत इतालवी वाइनरी को पुराने पैकेजिंग रिकॉर्ड फिर से बनाने पड़ सकते हैं

एक उद्योग संघ ने कहा कि लंबे समय तक परिपक्व होने वाली वाइनों के लिए यह विशेष चुनौती है, क्योंकि बोतलें, कॉर्क और लेबल अक्सर सालों पहले खरीदे गए थे।

गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026



इतालवी वाइनरी यूरोपीय संघ के पैकेजिंग नियमों के तहत एक नई अनुपालन समस्या का सामना कर रही हैं: उन्हें उन बोतलों, कॉर्कों, लेबलों और अन्य पैकेजिंग घटकों की उत्पत्ति और तकनीकी विवरणों को फिर से खंगालना पड़ सकता है, जो सालों पहले खरीदे गए थे और जो अभी भी गोदाम में परिपक्व हो रही वाइनों से जुड़े हैं।

यह चेतावनी Unione Italiana Vini, इतालवी वाइन उद्योग संघ, की ओर से है, जिसने 30 सितंबर को प्रकाशित सामग्री में कहा कि EU Packaging and Packaging Waste Regulation, जिसे PPWR कहा जाता है, लंबे समय तक परिपक्व होने वाली वाइनों वाले उत्पादकों के लिए व्यावहारिक कठिनाइयाँ पैदा कर रहा है। यह नियम सामान्य रूप से 12 अगस्त 2026 से लागू होता है, और पैकेजिंग शृंखला में, खाद्य-संपर्क वाली पैकेजिंग सहित, नई दस्तावेज़ीकरण बाध्यताएँ लाता है।

संघ की व्याख्या के अनुसार, वाइनरी को उन वाइनों पर इस्तेमाल की गई पैकेजिंग की संरचना, उत्पत्ति और अनुपालन का दस्तावेज़ तैयार करना पड़ सकता है, जो बिक्री से पहले लंबे समय तक तहखानों में रहती हैं। इसमें काँच की बोतलें, बंद करने वाले घटक, लेबल और अन्य हिस्से शामिल हैं। यह मुद्दा उन उत्पादकों के लिए विशेष रूप से संवेदनशील है जिनकी वाइन वर्षों तक परिपक्व होती हैं, क्योंकि पैकेजिंग नियम लागू होने से बहुत पहले खरीदी गई हो सकती है, और तब से आपूर्तिकर्ता, उत्पाद कोड या ट्रेसबिलिटी प्रणालियाँ बदल चुकी हो सकती हैं।

संघ ने कहा कि नया ढांचा कई दायित्वों को एक साथ जोड़ता है। इनमें खाद्य-संपर्क पैकेजिंग में perfluoroalkyl and polyfluoroalkyl substances, या PFAS, पर प्रतिबंध, कुछ भारी धातुओं की सीमाएँ, और घोषणाओं तथा सहायक अनुपालन दस्तावेज़ों की आवश्यकता शामिल है। वाइनरी के लिए इसका मतलब है कि उन्हें न केवल खुद वाइन, बल्कि उसके चारों ओर की सामग्रियों पर भी जानकारी इकट्ठा करनी होगी, और कई बार यह काम पिछली तारीख से करना पड़ेगा।

चिंता इस बात की नहीं है कि वाइन बदल गई, बल्कि यह कि पैकेजिंग से जुड़े कागज़ात अब अधूरे हो सकते हैं या उन्हें वापस पाना मुश्किल हो सकता है। कई साल पहले किसी वाइन को बोतलबंद करने वाली एक वाइनरी उसे लंबे समय तक परिपक्व होने के लिए अभी भी रख सकती है, लेकिन मूल बोतल आपूर्तिकर्ता का विलय हो चुका हो, कॉर्क उत्पादक ने अपनी तकनीकी फाइलें बदल दी हों, या लेबलिंग ठेकेदार अब वही प्रणालियाँ इस्तेमाल न करता हो। ऐसे मामलों में, उत्पादकों को पुराने खरीद रिकॉर्ड खंगालने पड़ सकते हैं और आपूर्तिकर्ताओं से ऐसे दस्तावेज़ माँगने पड़ सकते हैं, जो पहले इस रूप में एकत्र नहीं किए गए थे, जैसा अब आवश्यक है।

Unione Italiana Vini ने यह अनुमान प्रकाशित नहीं किया कि कितनी बोतलें प्रभावित हो सकती हैं, अनुपालन पर कितना खर्च आ सकता है, या रिकॉर्ड अधूरे होने पर कौन-से दंड लागू हो सकते हैं। उसने कहा कि नए ढाँचे के कई हिस्सों पर अभी भी स्पष्टता चाहिए। इन खुली बातों में बोतल के वजन, पैकेजिंग में खाली जगह कम करने, और पर्यावरणीय लेबलिंग आवश्यकताओं से जुड़े नियम शामिल हैं। संघ ने बैच ट्रेसबिलिटी व्यवहार में कैसे काम करेगी और क्या समान पैकेजिंग के समूहों के लिए घोषणाओं को सरल बनाया जा सकता है, इस बारे में सवालों की ओर भी इशारा किया।

यह मुद्दा इटली में महत्वपूर्ण है क्योंकि देश का वाइन उद्योग बड़ा है और उसके कई उत्पाद लंबे समय तक तहखाने में परिपक्व होने के लिए बनाए जाते हैं। ऐसे मामलों में, बोतलबंदी और बिक्री के बीच का अंतर महीनों का नहीं, बल्कि वर्षों का हो सकता है। इससे पीछे मुड़कर ट्रेसबिलिटी स्थापित करना उन क्षेत्रों की तुलना में कठिन हो जाता है जहाँ सामान वितरण में तेज़ी से आगे बढ़ता है।

संघ के नोट में Il Corriere Vinicolo, एक वाइन व्यापार प्रकाशन, में आई रिपोर्ट का उल्लेख था, जहाँ पत्रकार Fabio Ciarla ने इस नियम का वाइनरी पर परिचालन प्रभाव देखा। उस लेख में आपूर्तिकर्ताओं से आवश्यक जानकारी हासिल करने और अब PPWR ढाँचे के तहत अपेक्षित अनुपालन रिकॉर्ड तैयार करने के लिए किए जाने वाले काम पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

समस्या केवल वाइनरी तक सीमित नहीं है। पैकेजिंग आपूर्तिकर्ताओं पर भी अधिक प्रशासनिक काम आता है, क्योंकि उन्हें ग्राहकों के तकनीकी और नियामकीय जानकारी के अनुरोधों का जवाब देने के लिए तैयार रहना पड़ता है। Unione Italiana Vini द्वारा उद्धृत एक संबंधित टिप्पणी में, तरंगित गत्ता-डिब्बा संघ Associazione Italiana Scatolifici के अध्यक्ष Andrea Mecarozzi ने कहा कि तरंगित गत्ता पहले ही पुनर्प्राप्ति और पुनर्नवीनीकृत रेशा के उपयोग में मजबूत प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन नई प्रक्रियाएँ दस्तावेज़ीकरण की माँग बढ़ा रही हैं। उन्होंने बैच ट्रेसबिलिटी और पैकेजिंग उत्पादों के समूहों के लिए घोषणाओं को सरल बनाने की संभावना को भी अनसुलझे मुद्दों के रूप में पहचाना।

Unione Italiana Vini ने कहा कि बोझ का कुछ हिस्सा उद्योग में असमान रूप से पड़ सकता है, विशेष प्रावधानों के दायरे में आने वाले सूक्ष्म उद्यमों पर खास ध्यान के साथ। छोटी वाइनरियों के पास आंतरिक अनुपालन संसाधन कम हो सकते हैं और वे तकनीकी दस्तावेज़ उपलब्ध कराने के लिए आपूर्तिकर्ताओं पर अधिक निर्भर हो सकती हैं। इससे, यदि रिकॉर्ड

पुराने या अधूरे हों, तो देरी हो सकती है।

संघ का यह हस्तक्षेप किसी औपचारिक कानूनी निर्णय के बराबर नहीं है, और यह इस बात की उद्योग-आधारित व्याख्या को दर्शाता है कि नियम मौजूदा स्टॉक और लंबे समय तक परिपक्व होने वाली वाइनों को कैसे प्रभावित करेगा। फिर भी, यह यूरोपीय वाइन क्षेत्र के भीतर एक व्यापक चिंता की ओर इशारा करता है : पर्यावरणीय प्रदर्शन और उत्पाद अनुपालन में सुधार के लिए बनाया गया पैकेजिंग कानून उस स्टॉक तक भी पहुँच सकता है, जिसे सालों पहले पैकेज किया गया था और जो अब जाकर बाज़ार की ओर बढ़ रहा है।

उत्पादकों के लिए व्यावहारिक सवाल अब केवल भविष्य के बोतलबंदी दौर तक सीमित नहीं है। इसमें यह भी शामिल है कि क्या उन वाइनों के लिए दस्तावेज़ फिर से तैयार किए जा सकते हैं, जो पहले से ही गोदामों और तहखानों में पड़ी हैं, कभी-कभी पुराने खरीद सिस्टम और पुराने आपूर्तिकर्ता संबंधों के तहत चुनी गई पैकेजिंग में। लंबे समय तक परिपक्व होने के लिए बनाई गई वाइनों के लिए, यह पैकेजिंग अनुपालन को एक ऐसे रिकॉर्ड-खोज अभ्यास में बदल सकता है, जो बोतल के शेल्फ तक पहुँचने से काफी पहले शुरू होता है।

Unione Italiana Vini और ANFORMAPE, जो पैकेजिंग मामलों से जुड़ा एक संगठन है, 5 अक्टूबर को सदस्यों के लिए एक वेबिनार में अनुपालन के पहले कदमों पर चर्चा करने वाले हैं। उम्मीद है कि यह कार्यक्रम अब लागू शुरुआती दायित्वों और उन सवालों पर केंद्रित होगा जो अभी भी खुले हैं, क्योंकि वाइनरी और पैकेजिंग आपूर्तिकर्ता नए नियमों को मौजूदा उत्पादन और पुराने स्टॉक, दोनों पर लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।